Devices of Propaganda

प्रोपेगण्डा की विधियां

Presented by

Dr. Archana Bharti

Guest Faculty, MJMC

Sem-1, Paper- 101

Date- 11/08/2021

Devices of Propaganda

- अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोपेगण्डा एनालिसिस (Institute of Propaganda Analysis) ने प्रोपेगण्डा की निम्न प्रमुख सात विधियों का उल्लेख किया है। ये विधियां है– नामकरण विधि (Name Calling Technique), प्रमाण–पत्र विधि (Testimonials Technique) , लोकरीति विधि (Plain Folks Technique), कार्ड स्टैकिंग विधि (Card Stacking Method), संवेग उत्तेजन विधि (Emotions aroused technique) आदि।

Devices of Propaganda

- **Name Calling Technique-** इस विधि के द्वारा प्रोपेगण्डिस्ट, प्रोपेगण्डा को संगठित करके सामग्री को प्रसारित करता है। इसमें प्रोपेगण्डा करते समय प्रोपेगण्डिस्ट अपने नेता और जो अनुयायी होते हैं, उनको अच्छे नामों से पुकारता है। अर्थात् इसमें अपने समर्थकों के लिए सकारात्मक नाम और विरोधियों के लिए नकारात्मक नाम का प्रयोग किया जाता है।

Devices of Propaganda

- **Testimonials Technique-** इस विधि के द्वारा प्रोपेगण्डा करने वाले अपने मत के पक्ष में प्रसिद्ध महापुरूषों तथा नेताओं के नाम का प्रयोग करता है, साथ ही वह इनके विचारों का भी उल्लेख करता है जिससे श्रोतागण प्रभावित हो सके। जैसे कि– चुनाव के समय राजनीतिक प्रचारक इस विधि का व्यवहार करके जनता को अपने पक्ष में करने का प्रयास करते हैं।

Devices of Propaganda

- **Plain Folks Technique**- इसमें प्रोपेगण्डिस्ट अपनी नीति को जनता की नीति बताते हैं। उदाहरण के लिए, इस विधि को ध्यान में रखकर वर्ष 1977 ई. में श्रीमती इन्दिरा गांधी की तानाशाही के विरोध में अधिकांश विपक्षी दल मिलकर 'जनता पार्टी' के नाम से एक दल बनाया और उसकी नीति को जनता की नीति बताकर बताकर चुनाव में बहुमत प्राप्त किया।

Devices of Propaganda

- **Card Stacking Method**- इसमें प्रोपेगण्डा करने वाले अपने पक्ष के समर्थन के लिए तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश करते हैं और मिथ्या (False) बातों को प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं। जैसे कि–चुनाव के समय नेता गलत सही तथ्यों को प्रस्तुत करके वोट मांगते हुए अपना चुनाव का प्रचार करते हैं।

Devices of Propaganda

- **Emotions aroused technique-** इस विधि में प्रोपेगण्डिस्ट जनता में भय, चिंता और असुरक्षा का भाव उत्पन्न कर देते हैं। इसमें जनता के संवेगों को उत्तेजित करके अपना काम निकालते हैं। श्रोतागण प्रोपेगण्डा करने वाले के सुझाव को सरलता से स्वीकार कर लेते हैं।

धन्यवाद